

best. Pflanze, = कृपा RĪĀN. im ÇKDR.

विगन्धि adj. = विगन्ध Spr. 728. VARĀH. BRH. S. 48, 4.

विगम (von 1. गम् mit वि) m. das Fortgehen, Verschwinden, Aufhören, zu-Ende-Gehen, Abwesenheit: संयोगविगमो BUĀG. P. 1, 13, 40. मुकुन्द° 10, 42, 24. स्वधातु° 2, 7, 49. असु° 3, 9, 15. करण° MEGH. 36. पयोद्° VARĀH. BRH. S. 12, 10. पवन° 28, 4. तिमिर° KATHĀS. 47, 121. चारुन्त्य° RAGH. 19, 15. नीहारापात° R. 6, 22. ईति° MĀLAV. 93. हेतु° Spr. 2691. साधन° KHANDOM. 82. नृत्तिपासा° KULL. zu M. 4, 229. बाल्य° 8, 27. उपाधि° Schol. zu KAP. 1, 158. 160. KUSUM. 46, 20. स्यालो-कालम् so v. a. Vermeidung JĀĀ. 3, 157. — Vgl. दिवस°, रात्रि°.

विगमचन्द्र m. N. pr. eines Fürsten TĪRAN. 2, 126. fg.

विगर्भा (2. वि + गर्भ) adj. f. von der Leibesfrucht befreit MBH. 3, 3808.

विगर्ह gaṇa पुष्करादि zu P. 5, 2, 135. — Vgl. विगर्हिन् 2).

विगर्हण (von गर्ह mit वि) n. das Tadeln, Tadel: वसुदेव° HARIV. 4233.

R. GORR. 2, 73 in der Unterschr. Schol. zu KĀTJ. ÇR. 1, 4, 4. लेकि चैव विगर्हणम् (प्राप्तम्) R. GORR. 2, 68, 19. नारदा गच्छस्त्वयोक्ता महिगर्हणम् du hast übel von mir zu Nārada gesprochen MBH. 12, 5846. विगर्हणो कर् तadeln 3, 7556. auch विगर्हणा f.: विगर्हणा परमदुरात्मना कृतां सहेत यः 12, 4230.

विगर्हिन् 1) adj. (wie eben) tadelnd: सर्वलोक° MBH. 12, 9702. कामयोग° (so die neuere Ausg.) HARIV. 11688. — 2) विगर्हिणी Bez. einer an विगर्ह reichen Localität gaṇa पुष्करादि zu P. 5, 2, 135.

विगर्ह्य (von गर्ह mit वि) adj. tadelnswert, tadelhaft; von Personen und Sachen M. 4, 72. BUĀG. P. 3, 14, 25. 6, 7, 36. अति° 11, 8, 31.

विगर्ह्यता f. nom. abstr. von विगर्ह्य. विगर्ह्यतां प्रया sich dem Tadel aussetzen RĪĀ-TAR. 6, 276.

विगाहुर (von गाह् mit वि) nom. ag. der sich hineinbiegt in (gen.): वनस्य BHATT. 9, 29.

विगाथा (2. वि + गा°) f. eine Abart des Ārjā- oder Gāthā-Metrums COLEBR. Misc. Ess. II, 134.

विगान (von 2. गा mit वि) n. böser Ruf H. 270. HALĀJ. 1, 147. an. 4, 48.

विगामन् (von 1. गा mit वि) n. Schritt RV. 1, 133, 4.

विगार्ह (von गाह् mit वि) 1) adj. sich eintauchend: Agni RV. 3, 3, 5. — 2) m. nom. act. s. डुर्विगार्ह.

विगार्हन (wie eben) 1) m. N. pr. eines Fürsten MBH. 3, 2732. — 2) n. nom. act. s. अतर्विगार्हन.

विगार्ह्य (wie eben) adj. intrandus: भूतैरुच्चावचैरपि। गङ्गा विगार्ह्य सततम् Spr. 4974. — Vgl. डुर्विगार्ह्य.

विगोति f. eine Abart des Ārjā-Metrums, 29 + 29 Moren COLEBR. Misc. Ess. II, 134.

विगुण (2. वि + गुण) adj. (f. अा) 1) woran Etwas mangelt, unvollkommen, mangelhaft: वैदिकानि कर्माणि MBH. 12, 2689 (Gegens. अपिगुण 2677). KĀTJ. ÇR. 1, 2, 18. श्रेयान्स्वधर्मो विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात् Spr. 3030. 4968. 3093. आज्ञा so v. a. ein Befehl, der nicht ausgeführt wird, RĪĀ-TAR. 4, 502. विधि so v. a. ein widriges Schicksal Spr. 923, v. l. Die Ergänzung, woran es mangelt, geht im comp. voran: धर्मविगुणाः क्रियाः RĪĀ-TAR. 4, 60. विवेकविगुणाः क्रियाः 3, 352. — 2) qualitätlos BUĀG. P. 3, 24, 43. 7, 0, 48. 8, 12, 7. — 3) der Vorzüge baar, schlecht:

VI. Theil.

von Menschen MBH. 3, 1465. 12, 10653. R. 4, 31, 3. 5, 86, 16. 6, 100, 9. Spr. 3097. ÇR. 9, 12. विगुणेष्वपि पुत्रेषु न माता विगुणा भवेत् MĀRK. P. 77, 32. 106, 25. सु° MBH. 4, 1561. was seine Eigenschaften verändert hat, verdorben, schlecht; von den humores im Körper SUÇR. 2, 370, 7. 464, 11. 323, 16. ÇĀRṢG. SĀM. 1, 2, 4. — तद्विगुणैः MBH. 8, 667 fehlerhaft für तद्विगुणैः, wie die ed. Bomb. liest. Vgl. विगुण्य.

विगुणता (von विगुण) f. Verdorbenheit: वयोः SUÇR. 2, 329, 16.

विगुल्फ adj. reichlich: विगुल्फं वर्हिर्वायं च ĀÇV. GRH. 4, 1, 17. सौम्यं विगुल्फं निर्वपयेयुः ÇR. 12, 8, 35. विगुल्फान्नाहरेत् विफ° KĀTJ. ÇR. 21, 3, 10. — Vgl. unter गुल्फ in den Nachträgen.

1. विगृह्य (von ग्रह् mit वि) adj. in der Gramm. was besonders —, selbständig für sich erscheint (im Pada-Text) AV. PRĀT. 4, 78.

2. विगृह्य (wie eben) absol. aggressiv KĀM. NĪTIS. 11, 2. fgg. °गमन 4. °यान 3. विगृह्यासन 14.

विग्र s. u. विग्र.

विग्र्य gaṇa प्रुधादि zu P. 4, 1, 123. सुतंगमादि zu 2, 80. adj. nach DEV. zu NAIGH. von 1. गर् mit वि; nach NAIGH. 3, 15 so v. a. मेधाविन्. परैर्हि विग्र्यमस्तुतमिन्द्रं पृच्छ RV. 1, 4, 4. ता विग्र्यं धैवे नृतरं पूषाद्यैः 6, 67, 7. Nach P. 5, 4, 119, VĀRTT. AK. 2, 6, 4, 46. H. 430 und HALĀJ. 2, 455 nasenlos (vgl. विख u. s. w.). — Vgl. विग्र्य, विग्र्य.

1. विग्रह (von ग्रह् mit वि) m. am Ende eines adj. comp. f. अा. 1) Trennung, Sonderstellung NIN. 1, 4. बाह्व्यङ्ग्यं° beim zweimonatlichen Fötus BUĀG. P. 3, 31, 3. — 2) Trennung, Eintheilung: = प्रविभाग TRIK. 3, 3, 460. = विभाग MED. h. 23 (statt विभागे ता ist वि° ना zu lesen). कल्पलक्षण° (= अवात्तरकल्प Comm.) BUĀG. P. 2, 10, 47. — 3) Vertheilung, namentlich von Flüssigem (z. B. Soma) IND. ST. 10, 381. KĀTJ. ÇR. 9, 4, 13. 16. 12, 3, 16. 22, 10, 3. — 4) in der Gramm. Sonderstellung eines Wortes, Selbständigkeit desselben (Gegens. zur Composition) RV. PRĀT. 4, 15. 3, 16. 23. 7, 2. विग्रहं रघुपुत्र उकारः प्लवते u, wenn es ein eigenes Wort ist, wird gedehnt 8, 1. 4, 12 (अ). AV. PRĀT. 4, 3. Comm. in der Einl. zu 4. zu 4, 27. S. 262 (9. 10.). grammatische Auflösung eines zusammengesetzten Wortes: वृत्त्यर्थबोधकं वाक्यं विग्रहः Schol. zu P. 2, 1, 3, 1. 2, 44. ÇĀRK. zu KHAND. UP. S. 14. अविग्रहो नित्यसमासः Schol. zu P. 2, 1, 3. = व्यास, विस्तार AK. 3, 3, 22. TRIK. H. 1432, Schol. MED. HALĀJ. 3, 19. — 3) Uneinigkeit, Zwist, Hader, Streit, Krieg AK. 2, 8, 4, 18. 2, 73. TRIK. H. 733. 796. MED. HALĀJ. 2, 299. M. 7, 160. fgg. 164. तदा कुर्वति विग्रहम् einen Krieg eröffnen 170. ऋषीणां देवतानां च सदा भवति विग्रहः MBH. 13, 319. HARIV. 2863. R. GORR. 1, 46, 32. 3, 74, 12. RAGH. 9, 47 (pl.). 19, 38. अकारण° Spr. 3 (II). 864 (II). 3202. VARĀH. BRH. S. 30, 9. 46, 76. 47, 7. 86, 63. BUĀG. P. 3, 13, 32. 4, 2, 2. MĀRK. P. 69, 26. यदुपुंगवैः HARIV. 13873. R. 3, 41, 3. 6, 87, 7. Spr. 4086. 4617. विग्रहो ऽयं कृता ऽनेन त्वया सह मयापि च R. GORR. 2, 18, 16. VARĀH. BRH. S. 87, 38. PANĀT. 78, 20. 149, 14. तैः सार्धम् R. 6, 82, 51. स्त्रोभिः साकम् VARĀH. BRH. S. 89, 11. अस्योपरि विग्रहं कर्तुम् PANĀT. 78, 21. कोराति विग्रहं कामी कामिषु BUĀG. P. 3, 31, 29. वालिसुयीव° zwischen R. 1, 3, 23. VARĀH. BRH. S. 104, 21. मुरदानव° BUĀG. P. 9, 14, 5. असुरगण° mit MBH. 1, 1185. SUÇR. 1, 89, 16. 290, 5. KATHĀS. 19, 79. PANĀT. ed. orn. 56. 1. स्थल° ein Kampf auf festem Lande Spr. 4611. निग्रहने बद्धा वचोवि-